गुरु से लगन कठिन है भाई गुरुदेव भजन लिरिक्स

गुरु से लगन कठिन है भाई,
लगन लगाया बिना काज नहीं सरिये,
जीव प्रलय होय जाई,
गुरु से लगन कठिन है भाई।bd।

स्वाति बूँद को रटे पपैया,
पिया पिया रट लाई,
प्यासे प्राण जात है अब ही,
और नीर नहीं भायी,
गुरु से लगन कठिन है भाई।bd।

तज घर बार सती होय निकली,
सत करण को जाई,
पावक देख डरे नहीं तनिको,
कूद पड़े हर्षाई,
गुरु से लगन कठिन है भाई।bd।

मिर्गो नाद शब्द को भेदी,
शब्द सुण न को जाई,
सोही शब्द सुण प्राण त्याग दे,
मन मे डर नहीं लाई,
गुरु से लगन कठिन है भाई।bd।

दो दळ आय लड़े भूमि,
पर सूरा लेत लड़ाई,
टूक टूक होय पड़े धरण पर,
वे खेत छोड़ नहीं जाई,
गुरु से लगन कठिन है भाई।bd।

छोड़ो अपने तन की आशा,
हो निर्भय गुण गाई,
कहत कबीर सुणो भाई साधो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सहजो मिले गुसाँई,
गुरु से लगन कठिन है भाई।bd।

गुरु से लगन कठिन है भाई,
लगन लगाया बिना काज नहीं सरिये,
जीव प्रलय होय जाई,
गुरु से लगन कठिन है भाई।bd।

स्वर – व्यास जी मौर्य।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार, आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com